हो जाने भर से ही चीन के साथ गहरी मित्रता का संकेत नहीं मिलता। विदेशी मिशनों का यह सामान्य व्यवहार है कि वे अपने राजदूतावासों के समारोहों में भारतीय और विदेशी छात्रों को आमंत्रित करते हैं और इन अरब छात्रों ने इस निमंत्रण को स्वीकार कर के और समारोह में हिस्सा ले कर कोई अनुचित बात नहीं की है।

(ग) इन छात्रों के चीनी राजदूतावास में स्वागत समारोह में हिस्सा लेने पर भारत सरकार खुश नहीं है, खास कर जब कि पीकिंग में हमारे राजनयिकों के साथ दुर्व्यवहार की खबर यहां आ गई थी। बहरहाल चूंकि इन युवकों की गतिविधियों से उन की सरकारों के रवैये का किसी भी तरह संकेत नहीं मिलता, इसलिए सरकार इस घटना को बहुत महत्व नहीं देती।

Auction of New Cables at Avadi

7309. Shri C. Chitty Babu: Will the Minister of **Defence** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that 400 metres of new cables were auctioned at Avadi during the period from January to June, 1967;

(b) if so, the amount for which they were sold;

(c) the actual cost of the cables at the time of purchase; and

(d) the reasons therefor?

The Minister of State in the Ministry of Defence (Shri B. R. Bhagat): (a) No new cables were put up for auction at Avadi during the period from January to June, 1967. However, nine unserviceable cables comprising war time receipts were auctioned on 19th May, 1967.

(b) to (d). **Do not arise.**

पाकिस्तान का मध्य पूर्व के देशों के साथ सैनिक समझौता

7310. श्री मोलहू प्रसाद :
श्री महाराज सिंह भारती :
श्री जे० एच० पटेल :
श्री राम सेवक यादव :

क्या **वैदेशिक-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को पता है कि तुर्की, ईरान, जोर्डन, साउदी अरब और पाकिस्तान द्वारा सैनिक समझौते के लिए जोरदार तैयारियां की जा रही हैं;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार उपर्युक्त प्रस्तावित सन्धि से सुरक्षा के हेतु भारत, अफगानिस्तान और इसराईल को मिला कर एक सैनिक गुट बनाने का है; और

(ग) यदि नहीं, तो सरकार का विचार पाकिस्तान के इस नये खतरे का कैसे मुकाबला करने का है ?

वैदेशिक-कार्य मंत्री (श्री मु० क० चागला) : (क) कुछ पश्चिम एशियाई और अरब देशों द्वारा एक तरह की गुटबन्दी की कोशिशों के बारे में अखबारों में कुछ अटकलें लगाई गई हैं, लेकिन जांच-पड़ताल से यह पता चला है कि इस तरह का कोई गुट तैयार नहीं हो रहा है, सिवाय इस के कि सऊदी अरब, जोर्डन, ईरान तथा एक या दो और दूसरे देशों ने एक इस्लामी शिखर सम्मेलन बुलाने का प्रस्ताव किया है लेकिन इस दिशा में भी कोई खास प्रगति नहीं हुई है ?

(ख) और (ग). सरकार पाकिस्तान की शत्रुतापूर्ण गतिविधियों के प्रति सजग है और मौका पड़ने पर समुचित उपाय भी बरतेगी, पर भारत सरकार की यह दृढ़ नीति रही है कि वह किसी सैनिक गुट में शामिल नहीं होगी और न किसी सैनिक